अध्याय – 1
भाषा और व्याकरण

शब्द ज्ञान

भाषा	मौखिक	संकेत	ई–मेल	व्यक्त
शुद्ध	वार्तालाप	व्याकरण	लिखित	भाव
प्रकट	राजभाषा	अशुद्ध	साधन	

व्याख्या

भाषा

चलिए, मैं बताता हूँ कि हम बातचीत क्यों करते हैं ? दूसरों तक अपनी बात पहुँचाने के लिए ही हम बातचीत करते हैं।

पर, अब प्रश्न यह उठता है कि हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों की बात जानने के लिए कौन–सा साधन अपनाते हैं ?

यह तो बिलकुल आसान–सी बात है कि हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों की बात समझने के लिए भाषा का प्रयोग करते हैं।

अरे ! तुम तो बहुत–ही समझदार हो गई हो। चलो, हम सब मिलकर भाषा की परिभाषा जानें।

परिभाषा

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम अपनी बात बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं तथा दूसरों की बात को सुनकर या पढ़कर समझते हैं।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

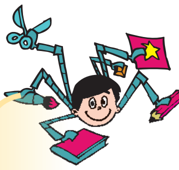

क्रियाकलाप

पाँच समूहों में बँट जाइए तथा कुछ कहानियों के नाम लिखकर पर्चियाँ बना लीजिए, जैसे– कछुआ और खरगोश, दो दोस्त, माली और गधा आदि। बारी–बारी प्रत्येक समूह से एक विद्यार्थी आकर पर्ची उठाए तथा मिले विषय को संकेतों के माध्यम से अपने समूह को समझाए। यदि समूह के अन्य सदस्य नाम बता देते हैं, तो अंक मिल जाएँगे; अन्यथा नहीं। इसी तरह प्रत्येक समूह के साथ यह प्रक्रिया दो बार दोहराई जाए। दिए गए स्थान में क्रियाकलाप का विवरण भरिए।

क्रम संख्या	समूह	कहानी का नाम	अंक

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

क्रियाकलाप द्वारा आपने जाना कि हम संकेतों द्वारा अपनी बात दूसरों तक पहुँचा तो सकते हैं, लेकिन संकेतों द्वारा बात पूरी तरह न समझी जा सकती है और न ही समझाई जा सकती है।

हाँ, इसलिए अपनी बात को पूरी तरह समझाने के लिए हम भाषा के दो रूपों, मौखिक और लिखित का प्रयोग करते हैं। चलिए, मौखिक और लिखित भाषा के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

व्याख्या

मौखिक भाषा

प्रिया : अमित, कल से तुम्हारी परीक्षा शुरू हो रही है, क्या तुमने अपनी तैयारी पूरी कर ली है ?

अमित : हाँ दीदी, मैंने तैयारी कर ली है, पर मुझे आपसे एक प्रश्न का उत्तर पूछना है ?

प्रिया : हाँ ज़रूर।

अमित : हमारी राजभाषा कौन–सी है ?

प्रिया : हमारी राजभाषा हिंदी है।

आपने देखा, बहन और भाई आपस में बात कर रहे हैं। पहले बहन ने अपनी बात कही, फिर भाई ने उसकी बात सुनकर जवाब दिया। इस तरह उन्होंने आपस में बातचीत के द्वारा एक–दूसरे को अपनी बात समझाई।

हाँ, यह बात तो बिलकुल सही है कि बातचीत द्वारा एक ने अपनी बात बोलकर कही तथा दूसरे ने सुनकर समझी।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

मौखिक भाषा

बोलना

सुनना

परिभाषा

भाषा का वह रूप, जिसमें हम बोलकर अपने भावों को प्रकट करते हैं और सुनकर समझते हैं, मौखिक भाषा कहलाता है।

व्याख्या

लिखित भाषा

दिए गए चित्र में आपने देखा कि रोहन ने अपनी बात कहने के लिए अपने मित्र को ई–मेल लिखकर भेजा और उसके मित्र अमित ने ई–मेल पढ़कर उसकी बात समझी।

इस प्रकार रोहन ने अपने मन की बात लिखकर अमित को समझाई और अमित ने रोहन की बात पढ़कर समझी।

लिखित भाषा

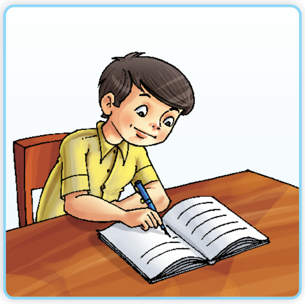

लिखना

पढ़ना

परिभाषा

भाषा का वह रूप, जिसमें हम लिखकर अपने भावों को प्रकट करते हैं और पढ़कर समझते हैं, लिखित भाषा कहलाता है।

क्रियाकलाप

मान लीजिए कि आप कक्षा में प्रथम आए हैं। आप बहुत खुश हैं और अपने पापा को यह बात बताना चाहते हैं, लेकिन आपके पापा किसी दूसरे शहर में गए हुए हैं। ऐसे में आप अपने पापा को कई तरीकों से यह खुशखबरी दे सकते हैं। यहाँ ऐसे ही कुछ साधन दिए गए हैं। इन्हें देखकर पता लगाइए कि इनमें से कौन–से साधन मौखिक रूप से प्रयोग किए जा सकते हैं और कौन–से लिखित।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

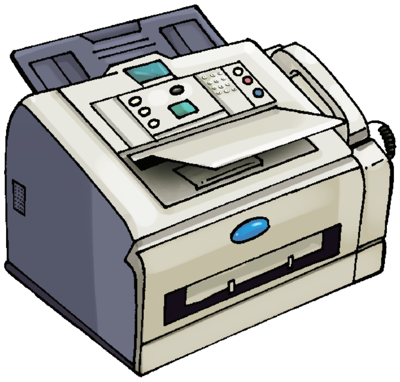

अपने पापा को खुशखबरी देने के लिए इन साधनों में से आप जो साधन अपनाना चाहेंगे, उसका नाम लिखिए।

व्याख्या

अब तो आप समझ ही गए होंगे कि हम अपने विचार कैसे प्रकट करते हैं और दूसरों के विचार किस प्रकार समझते हैं।

चलिए, मैं फिर से बता देती हूँ कि हम भाषा द्वारा अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं और दूसरों के विचार सुनकर या पढ़कर समझते हैं।

आइए, निम्नलिखित आरेख द्वारा हम भाषा के रूपों को दोहरा लेते हैं :–

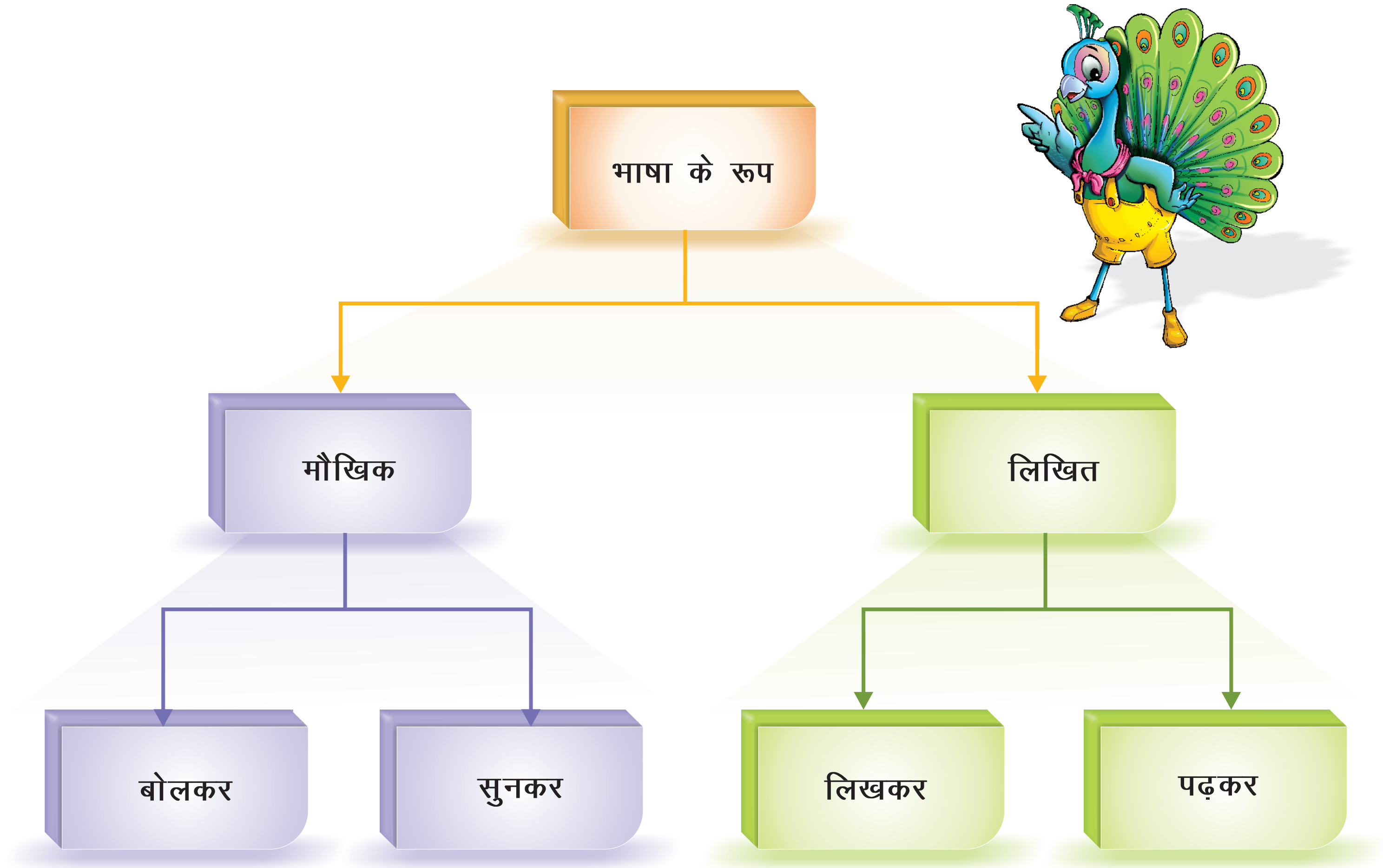

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

क्रियाकलाप

क्या आपने कभी किसी पक्षी को संदेश ले जाते हुए देखा है ? ______________

यदि हाँ, तो कहाँ ? ______________। यदि सुना है, तो किससे ? ______________

यह कैसे संभव होता होगा ? इस विषय पर अपने मित्र के साथ चर्चा कीजिए। दिए गए स्थान में अपने मित्र से की गई चर्चा के मुख्य अंश लिखिए।

____

____

____

____

____

____

____

____

व्याख्या

व्याकरण

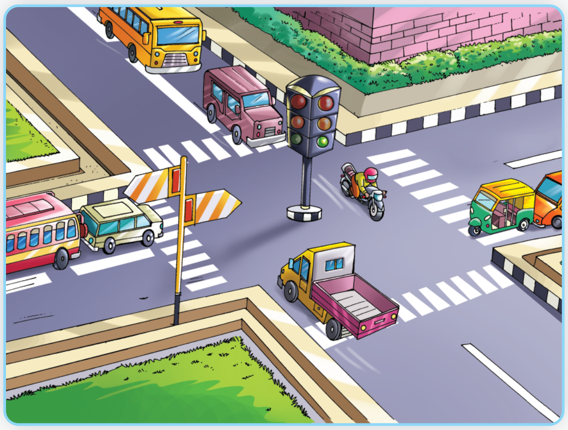

पहला दृश्य देखिए, आपको क्या दिखाई देता है? यहाँ कोई भी सड़क के नियमों का पालन नहीं कर रहा है। क्या आपको यह दृश्य सुंदर लग रहा है ? आपका जवाब होगा, नहीं।

जबकि दूसरा दृश्य कितना सुंदर लग रहा है क्योंकि यहाँ सभी लोग सड़क के नियमों का पालन कर रहे हैं।

जिस प्रकार सड़क के नियम बनाए गए हैं, उसी प्रकार भाषा में भी व्याकरण संबंधी कुछ नियम बनाए गए हैं।

भाषा में वाक्य होते हैं। वाक्य शब्दों से बनते हैं, परंतु किसी भी शब्द को कहीं भी रख देने से वाक्य नहीं बनता। इसके लिए व्याकरण के नियमों का पालन करना पड़ता है, अन्यथा वाक्य का सही अर्थ समझने में कठिनाई होती है। जैसे :—

1. मुझे है आना लगता रोज़ अच्छा स्कूल।
2. मुम्बई हैं मेरे गए पापा।
3. मित्र का मेरे नाम है केतन।

ये तीनों वाक्य अशुद्ध हैं, क्योंकि इनमें प्रयोग किए गए शब्द व्याकरण की दृष्टि से उचित स्थान पर नहीं हैं, इसलिए इनका कोई अर्थ नहीं निकलता।

इनका शुद्ध रूप है :—

1. मुझे रोज़ स्कूल आना अच्छा लगता है।
2. मेरे पापा मुंबई गए हैं।
3. मेरे मित्र का नाम केतन है ।

भाषा मौखिक हो या लिखित, उसमें क्या शुद्ध है और क्या अशुद्ध, इसकी समझ हमें व्याकरण के ज्ञान से होती है।

परिभाषा

- **व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।**
- **व्याकरण भाषा को सही–सही बोलना, सुनना, पढ़ना, लिखना तथा समझना सिखाता है।**

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

क्रियाकलाप

दो–दो की जोड़ी में बँट जाइए। पहला विद्यार्थी सुमित और दूसरा विद्यार्थी अर्जुन बनकर नीचे दिए गए वार्तालाप को शुद्ध करते हुए उसे आगे बढ़ाए। दिए गए स्थान में इस वार्तालाप को लिखिए।

अर्जुन :

सुमित :

अर्जुन :

सुमित :

अभ्यास

क. **भाषा का अर्थ समझाइए।**

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

ख. **हमारी राजभाषा का नाम बताइए।**

ग. **भाषा के दोनों रूपों में कोई एक अंतर बताइए।**

घ. **व्याकरण को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिए।**

ङ. **भाषा का प्रयोग हम किस–किस काम के लिए करते हैं ? सही (✓) या गलत (×) का चिह्न लगाइए।**

1. खाना खाने के लिए ☐
2. मित्र से अपने विचार व्यक्त करने के लिए ☐
3. सोने के लिए ☐
4. अध्यापक से पढ़ते हुए ☐
5. सफाई करते हुए ☐

च. **दिए गए शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :–

खुश हूँ आज मैं बहुत ।

आज मैं बहुत खुश हूँ।

1. बनो डॉक्टर चाहता तुम कि मैं हूँ।
2. मेरी है का मम्मी नाम गीता।
3. कर लो काम पर समय।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

4. में रही चिड़ियाँ उड़ हैं आसमान।

अतिरिक्त अभ्यास

नीचे दिए गए चित्र को देखिए तथा उससे संबंधित कोई पाँच वाक्य लिखिए। ध्यान रहे कि वाक्यों मे व्याकरण के नियमों का पालन करते हुए शुद्ध भाषा का प्रयोग किया गया हो।

परियोजना

मित्रों को अपने जन्मदिन पर बुलाने के लिए निमंत्रण–पत्र तैयार कीजिए। बताइए कि आप कितने पड़ोसी मित्रों को निमंत्रण देना चाहेंगे और कितने अपनी कक्षा के मित्रों को।

मेरा पृष्ठ

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया